International Journal of Geography, Geology and Environment 2019; 1(2): 39-42

International Journal of Geography, Geology and Environment

P-ISSN: 2706-7483
E-ISSN: 2706-7491
IJGGE 2019; 1(2): 39-42
Received: 19-04-2019
Accepted: 22-05-2019

Abhinav Anand
Research Scholar,
Department of Geography,
Magadh University, Bodh
Gaya, Bihar, India

Corresponding Author:
Abhinav Anand
Research Scholar,
Department of Geography,
Magadh University, Bodh
Gaya, Bihar, India

बिहार राज्य के संदर्भ में साक्षरता दर का असमान वितरण (भौगोलिक अध्ययन)

Abhinav Anand

सारांश
यह अध्ययन बिहार राज्य के संदर्भ में साक्षरता दर के असमान वितरण का भौगोलिक अध्ययन प्रस्तुत करता है। इसके अंतर्गत भारत सरकार द्वारा जारी साक्षरता दर के आंकडो को आधार मानकर अध्ययन उद्देश्यो की प्राप्ति की गयी है । चूंकि बिहार राज्य विविधताओ से परिपूर्ण प्रदेश रहा है अत साक्षरता दर में हुई वृद्धिदर को दशक वार समझना अति आवश्यक हो जाता है परिणामस्वरूप अध्ययन में दशक वार प्रतिरूपों का विश्लेषण सम्मिलित किया गया है।

कूटशब्द: वृद्धिदर, साक्षरता दर, दशक प्रतिरूप, cenus, नालंदा विश्वविद्यालय, महिला साक्षरता

प्रस्तावना
साक्षरता किसी भी राज्य, देश, गाँव, शहर व कस्बे के विकास की अत्यन्त आवश्यक शर्त होती है। बिहार राज्य सदियों पूर्व से शिक्षा के क्षेत्र का सर्वाधिक चर्चित स्थान रहा है। प्राचीन काल अथवा वैदिक सभ्यता के दौरान यहाँ अवस्थित नालंदा, तक्षशिला व विक्रमशिला विश्वविद्यालय राज्य के साक्षर होने के प्रबल प्रमाणों को दर्शाते हैं। परंतु मध्य काल में भारत पर हुए मुगलों के आक्रमणकारी हमलों ने न केवल भारतीय शिक्षा प्रणाली को पूर्ण रूप नष्ट करने का कार्य किया बल्कि यहाँ उपस्थित प्राचीन शैक्षिक संस्थानों को तेजी से नष्ट किया गया। इनके तुरंत पश्चात गोरों यानि ब्रिटिश हुकूमतों द्वारा भी भारत एवं बिहार राज्य की शिक्षा व्यवस्था को अत्यन्त ही कम स्थान दिया गया जिसके परिणामस्वरूप यहाँ साक्षरता दर में भारी कमी देखने को मिलती है। अंग्रेजों से स्वतंत्रता संघर्ष के पश्चात स्वतंत्र भारत में वर्ष 1951 के दौरान बिहार की साक्षरता दर 13.49% थी। तत्पश्चात स्वतंत्र भारत की सरकारो द्वारा शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। और प्रथम बार शिक्षा को राष्ट्रीय विकास की प्रथम शर्त के तौर देखा जाने लगा। चूंकि शिक्षा ही समाज एवं राष्ट्रीय कल्याण की भावना का विकास करती है। एक शिक्षित मानव ही संपूर्ण मानव कहा जा सकता है। इसी उद्देश्य से इस अध्ययन के अंतर्गत बिहार राज्य मे हुए शिक्षा संबधी परिवर्तनों को मापने हेतु साक्षरता दर का विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन उद्देश्य
इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य बिहार राज्य के संदर्भ में साक्षरता दर की स्थिति का आंकलन कर साक्षरता दर के असमान प्रतिरूप की व्याख्या करना।

अध्ययन विधि
किसी भी अध्ययन के उद्देश्यों की प्राप्ति में अध्ययन विधि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अत इस अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त आंकड़ो को आधार बनाया गया है। इसके तहत सामान्य सांख्यिकी एवं विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र
अध्ययन क्षेत्र बिहार भारतीय क्षेत्रफल का 13 वाँ सबसे बड़ा राज्य है एवं जनसंख्या के अनुसार राज्य का तृतीय स्थान है। भारतीय मानचित्र में इसकी स्थिति उत्तर पूर्व में है। इसके उतरी भाग की सीमाए नेपाल से दक्षिण की सीमाए झारखंड राज्य से स्पर्श करती है जबकि इसके पूर्व में पश्चिम बंगाल राज्य की सीमाए तथा पश्चिमी भाग से उत्तर प्रदेश राज्य की सीमाए सटती हैं। बिहार राज्य का कुल क्षेत्रफल 94163 वर्ग किलोमीटर तक फैला हुआ है।

बिहार राज्य का जिला मानचित्र

आंकडो का संग्रहण

तालिका 1: बिहार एवं भारत में दशकीय साक्षरता दर में वृद्धि

दशकीय वृद्धि	बिहार की साक्षरता दर (%)	भारत की साक्षरता दर (%)
1961	21.95	28.30
1971	23.17	34.45
1981	32.32	43.57
1991	37.49	52.21
2001	47.53	64.84
2011	63.80	74

तालिका 2: बिहार राज्य में दशकीय साक्षरता दर में वृद्धि

दशक	पुरुष (प्रतिशत में)	महिला
1961	29.80	6.90
1971	30.60	8.70
1981	38.11	13.62
1991	47.96	18.50
2001	59.68	33.12
2011	73.29	53.30

तलिका 3: वर्ष 2011 के अनुसार बिहार राज्य की ग्रामीण एवं शहरी साक्षरता दर

	ग्रामीण साक्षरता दर	शहरी साक्षरता दर
पुरुष	71.90	84.42
महिला	50.82	72.36
कुल	61.83	73.39

आंकडो का विश्लेषण
अध्ययन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु संग्रह किये गए उक्त आंकडो का विश्लेषण अत्यन्त आवश्यक है तालिका संख्या में दर्ज आंकड़े बिहार व भारत में कुल साक्षर आबादी के प्रतिशत का वितरण प्रस्तुत करते हैं। इसी प्रकार तालिका संख्या 2 में दर्ज आंकड़े बिहार राज्य में दशक वार पुरुष एवं महिला साक्षरता दर के आंकडो का वितरण प्रस्तुत करते है तथा तालिका संख्या 3 में बिहार राज्य के संदर्भ में कुल शिक्षित आबादी को शहरी एवं ग्रामीण स्तर पर पुरुषो की साक्षरता दर तथा महिलाओं की साक्षरता दर का वर्गीकरण प्रस्तुत किया गया है।

1. 1961 में साक्षरता प्रतिरूप

1961 की जनगणना के आंकडो से स्पष्ट हुआ कि बिहार राज्य की साक्षरता दर 21.95% थी जिसकी तुलना में भारत की साक्षरता दर 28.30 रही । इसकी तुलना यदि पिछले दशक (1951) में हुई जनगणना से की जाए तो इसमे लगभग 8.49% की दर से साक्षर लोगों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गयी। इसके अंतर्गत पुरुष साक्षरता दर की स्थिति को देखने पर पाएंगे कि पुरुष साक्षरता दर 29.80% थी जो महिला साक्षरता दर से काफी अधिक थी। शिक्षित जनसंख्या का बहुत बड़ा हिस्सा शहरी क्षेत्रो से संबद्ध रखता था जिसका प्रमुख कारण शैक्षिक संस्थानों के अंतर्गत बहुत बड़ी संख्या में राजकीय एवं निजी विद्यालयों का विकास शामिल है।

2. 1971 मे साक्षरता प्रतिरूप

1971 की साक्षरता दर पिछले दशक यानि 1961 से अधिक दर्ज की गयी। जहाँ भारत की कुल साक्षरता दर पिछले दशक से 6.15 अंक अधिक रही वहीं बिहार राज्य की साक्षरता दर में मात्र 1.22 % की ही बढ़ोतरी दर्ज की गयी। अत 1971 में बिहार राज्य की कुल साक्षरता दर 23.17% रही जिसके अंतर्गत 30.60% जनसंख्या पुरुषो की जबकि महिला साक्षरता दर का प्रतिशत मात्र 8.70 ही रहा।

3. 1981 में साक्षरता प्रतिरूप

1981 में साक्षरता दर के आंकड़ों के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या में 43.57% लोग शिक्षित श्रेणी में पाए गया जबकि बिहार राज्य में साक्षरता दर का यह प्रतिशत 32.32% रहा। पिछले दशक की साक्षरता दर से तुलना करे तो स्पष्ट होगा कि भारत की साक्षरता दर में लगभग 9.12% को बढ़ोतरी देखी गयी। तो वहीं बिहार राज्य में भी साक्षर आबादी में लगभग 9.15% की वृद्धि दर दर्ज की गयी। इसके अंतर्गत पुरुष साक्षरता दर 38.11% रही जबकि महिला साक्षरता दर केवल 13.62 प्रतिशत ही रही।

4. 1991 में साक्षरता प्रतिरूप

वर्ष 1991 में जारी साक्षरता प्रतिरूप के अनुसार, भारत की साक्षर जनसंख्या का अनुपात निरंतर तीव्र गति से बढ़ोतरी करता पाया गया जिसके मुताबिक 1991 में भारत की कुल साक्षरता दर 52.21 फीसदी हो गयी ठीक इसी प्रकार बिहार राज्य में साक्षरता दर का ग्राफ निरंतर वृद्धि करता पाया इस वर्ष बिहार राज्य की साक्षरता दर 37.49% रही हालांकि राज्य की साक्षरता दर भारत की कुल साक्षरता दर से लगभग 14.92 अंक पीछे रही। 1991 में राज्य में पुरुष साक्षरता दर 47.96 रही जबकि महिला साक्षरता दर 18.50 फीसदी रही।

5. 2001 में साक्षरता प्रतिरूप

वर्ष 2001 में जारी जनगणना संबंधी आंकड़े साक्षरता दर में वृद्धि को ही दर्शाते हैं। इस वर्ष राज्य की कुल साक्षरता दर 47.53 फीसदी रही तो वही भारत में यह साक्षरता दर 64.84% थी। राज्य की कुल जनसंख्या में शिक्षित पुरुषो का सर्वाधिक 59.68 फीसदी का योगदान रहा तो वही महिला साक्षरता दर का मात्र 33.12% का योगदान रहा।

6. 2011 में साक्षरता प्रतिरूप

वर्ष 2011 में जारी आंकडो के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि राज्य की कुल जनसंख्या में साक्षरता दर 63.80% रही जबकि भारत की साक्षरता दर 74 फीसदी के आस पास रही। हालांकि भारत की तुलना में बिहार राज्य की साक्षरता दर का प्रतिरूप लगभग 10 फीसदी तक कम रहा। राज्य में ग्रामीण शिक्षित आबादी की साक्षरता दर 61.80% पायी गयी है जबकि शहरी साक्षरता दर में उत्तरोतर वृद्धि देखी जा सकती है। कुल शहरी साक्षर आबादी 73.29 फीसदी रही जिसके अंतर्गत सर्वाधिक 84.42% पुरुष जनसंख्या तथा लगभग 72.36% महिला साक्षर आबादी का योगदान रहा है। इसी प्रकार ग्रामीण साक्षरता दर में पुरुषों की साक्षरता दर 71.90 तथा महिला साक्षरता दर 50.82 पायी गयी।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में आंकडो का विश्लेषण करने के पश्चात स्पष्ट तौर पर कहा जा सकता है कि पिछले कई दशको में भारत ही नही बल्कि बिहार राज्य में साक्षरता दर में तीव्र वृद्धिदर दर्ज की गयी है। हालांकि प्रत्येक दशक में आबादी के साक्षर होने का प्रतिशत एकसमान नहीं रहा है। यदि वर्तमान साक्षरता दर को स्वतन्त्रता प्राप्ति के प्रथम दशक से तुलना करे तो कहना उचित होगा कि बिहार राज्य ने 63.80% की साक्षरता दर को हासिल करने हेतु कई दशको का सामना किया है जिसके परिणामों को इस बात से समझा जा सकता है कि वर्ष 1951 में जहाँ राज्य की कुल जनसंख्या में मात्र 13.49% ही पढ़े लिखे या साक्षर श्रेणी के थे तो वहीं वर्तमान शिक्षित आबादी लगभग 63.80 फीसदी हो चुकी है। हालांकि समय समय पर अनेक ऐसी योजनाएं एवं कार्यक्रम भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे हैं जिनका प्रमुख उद्देश्य राज्य एवं राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को शिक्षित एवं आत्म निर्भर बनाना।

संदर्भ सूची

1. भारत की जनगणना 1951, जनसंख्या तालिका, भाग संख्या -1, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, वर्ष 1951
2. भारत की जनगणना 1961, जनसंख्या तालिका, भाग संख्या -1, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, वर्ष 1961
3. भारत की जनगणना 1971, जनसंख्या तालिका, भाग संख्या -1, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, वर्ष 1971
4. भारत की जनगणना 1981, जनसंख्या तालिका, भाग संख्या -1, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, वर्ष 1981
5. भारत की जनगणना 1991, जनसंख्या तालिका, भाग संख्या -1, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, वर्ष 1991
6. भारत की जनगणना 2001, जनसंख्या तालिका, भाग संख्या -1, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, वर्ष 2001
7. भारत की जनगणना 2011, जनसंख्या तालिका, अंतरिम जनसंख्या योग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, वर्ष 2011